आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 17.10.2024 समय : 1905

<><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भाषा, साहित्य, कला और आध्यात्मिकता जैसे सांस्कृतिक स्तंभ किसी भी देश की पहचान बनाते हैं।
- प्रधानमंत्री ने दुनिया से युद्ध में नहीं, बल्कि भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में समाधान ढूंढने और शांति का मार्ग प्रशस्त करने की अपील की।
- केन्द्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ0 एल मुरूगन ने कहा है कि लोगों तक सही सूचना और गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रसारण करना प्रसारकों की एक बड़ी जिम्मेदारी है।
- भारत निर्वाचन आयोग की ओर से वर्ष दो हजार चौबीस के लिए मीडिया पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत कल लिटिल अंडमान में खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

<><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भाषा, साहित्य, कला और आध्यात्मिकता जैसे सांस्कृतिक स्तंभ किसी भी देश की पहचान बनाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज जब देश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, उसकी जड़ें आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वाभिमान से गहरी जुड़ी हुई हैं। आज नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय अभिधम्म दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का उल्लेख किया। श्री मोदी ने विश्व से अपील की कि समस्याओं का समाधान युद्ध में ढूंढने की बजाय भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में ढूंढे, जो शांति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। श्री मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षा से प्रेरणा लेकर देश के विकास में सकारात्मक परिवर्तन होंगे। पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के सरकार के निर्णय पर श्री मोदी ने कहा कि भाषाएं केवल वार्तालाप का माध्यम नहीं है बल्कि सभ्यता और संस्कृति की आत्मा भी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि धम्म संपूर्ण मानव जाति के लिए शांति का मार्ग है। उन्होंने कहा कि अभिधम्म दिवस हमें संदेश देता है कि दुनिया को बेहतर बनाने के लिए करुणा और सद्भावना मूल मंत्र है। अभिधम्म दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभी को और विशेष रूप से भगवान बुद्ध के अनुयायियों को शुभकामनाएं दी। पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के सरकार के फैसले की अनेक शिक्षाविदों और विद्वानों ने प्रशंसा की है।

<><><><><><>

केन्द्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ0 एल मुरूगन ने कहा है कि लोगों तक सही सूचना और गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रसारण करना प्रसारकों की एक बड़ी जिम्मेदारी है। डॉ0 मुरूगन ने आज नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस में प्रसारण क्षेत्र में उभरते साधनों और प्रौद्योगिकियों पर आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने भविष्य के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के महत्व और प्रसारण की परिवर्तनकारी शक्ति का उल्लेख किया। श्री मुरूगन ने कहा कि केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने हाल ही में दो सौ चौंतीस शहरों में सात सौ तीस नये प्राइवेट रेडियो चैनल स्थापित करने को मंजूरी दी है। डॉक्टर मुरुगन ने सभी के लिए उच्च गुणवत्ता की मीडिया सामग्री की पहुंच सुनिश्चित करने तथा आर्थिक विकास में प्रसारण क्षेत्र की भूमिका को सशक्त बनाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के प्रयोग की सरकार की वचनबद्धता की पुष्टि की। इस अवसर पर सूचना तथा प्रसारण सचिव संजय जाजू ने प्रसारण क्षेत्र में नियामक नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका और उभरती प्रौद्योगिकियों से आगे रहने के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने प्रसार भारती की डायरेक्ट टू मोबाइल—डीटूएम प्रसारण पहल का भी उल्लेख किया। यह पहल लाइव टीवी की सामग्री को बिना इंटरनेट कनैक्शन के मोबाइल उपकरण पर प्रसारण योग्य बनाएगी। श्री जाजू ने सस्ते जनसंचार उपकरण के रूप में डिजिटल रेडियो की संभावना का उल्लेख किया। यह उपकरण बेहतर ध्वनि गुणवत्ता प्रदान करने तथा स्पैक्ट्रम के अधिकतम प्रयोग को बढ़ावा देगा।

<><><><><><>

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से वर्ष दो हजार चौबीस के दौरान मतदाता शिक्षा और जागरूकता पर सर्वश्रेष्ठ अभियान के लिए मीडिया पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। इसके तहत चार श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जिनमें प्रिंट मीडिया, टेलीविज़न, रेडियो और ऑनलाइन सोशल मीडिया शामिल हैं। यह पुरस्कार चुनावों के बारे में जागरूकता पैदा करने, चुनावी प्रक्रिया से लोगों को शिक्षित करने, चुनाव संबंधी आई टी अप्लीकेशन, दूरस्थ मतदान केन्द्रों पर कहानियों के माध्यम से लोगों में मतदान के महत्व और पंजीकरण के लिए जागरूकता उत्पन्न करने वाले मीडिया हाउस को उनके योगदान के लिए दिया जाएगा। प्रिंट मीडिया अपना आवेदन अपने कार्यों का सारांश, पीडीएफ सॉफ्ट कॉपी या पूर्ण आकार के समाचार पत्रों की प्रति या लेख और आम जनता के

साथ किए गए बातचीत के साथ जमा कर सकते हैं। टेलीविज़न और रेडियो अपनी प्रविष्टियां सीडी, डीवीडी या पेन ड्राइव में प्रसारण अवधि के साथ, समाचारों या अन्य कार्यक्रमों के कुल समय के साथ जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन सोशल मीडिया अपने कार्यों के सारांश, पोस्ट, ब्लॉग, अभियान, ट्वीट या लेख के रूप में भेज सकते हैं। यह सभी कार्य दो हजार चौबीस के दौरान प्रकाशित या प्रसारित किया गया होना चाहिए। प्रविष्टियों की जांच चयनित जूरी द्वारा किया जाएगा। आवेदन दस दिसम्बर से पहले निर्वाचन आयोग के अवर सचिव के पते पर सीधे या मेल पर भेजे जा सकते हैं। अगले वर्ष पच्चीस जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

<><><><><><>

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत कल लिटिल अंडमान में खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्र के पंचायत समिति हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों, रोकथाम और उपचार पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों में नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली समस्याओं से निपटने और उससे बचने के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंचायत समिति प्रमुख एस. परमानाथन और अन्य वक्ताओं ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतिभागियों को स्वस्थ पंचायत और बाल अनुकूल पंचायत विषय के तहत सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नशीले पदार्थों जैसे मुद्दों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया गया। खंड विकास अधिकारी ने स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण में निरंतर सहयोग और जागरूकता उत्पन्न करने के महत्व पर बल दिया।

<><><><><><>

नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों विभाग की ओर से मापतौल उपकरणों की जांच और मुद्रण के कार्य के लिए इक्कीस अक्तूबर से तेईस अक्तूबर तक लिटिल अंडमान में शिविर आयोजित किया जाएगा। इस कार्य के लिए विभाग का एक दल लिटिल अंडमान के दौरे पर रहेगा। सभी दुकानदारों, ऑटो रिक्शा मालिकों और ड्राइवरों तथा संबंधित विभागों से इन शिविरों का लाभ उठाकर अपने मापतौल उपकरणों की जांच और मुद्रण कराने को कहा गया है।

<><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान के सेकेण्डरी स्कूल चेनपुर में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत स्कूल परिसर में विज्ञान, गणित और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक नित्यानन्द हलदार ने प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया। प्रदर्शनी में शिक्षकों, छात्रों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया।

<><><><><><>

नाबार्ड में कार्यालय परिचारक के एक सौ आठ पदों पर नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसके लिए उम्मीदवार का दसवीं पास होना अनिवार्य है। उम्मीदवार की आयु तीस वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। उम्मीदवार को प्रतिमाह पैंतीस हजार रूपये का मानदेय दिया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन इक्कीस अक्तूबर तक स्वीकार किए जाएंगे। अधिक जानकारी नाबार्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उधर, सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय में रिसेप्सनिस्ट के एक पद के लिए प्रतीक्षा सूची के उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच का कार्य किया जाएगा। उम्मीदवारों से कल दिन में ग्यारह बजे निदेशालय में उपस्थित रहने को कहा गया है।

<><><><><><>